लोक सभा

तारांकित प्रश्ना संख्या 100*

02 मार्च, 2015 को उत्तार के लिए

नए इस्पात संयंत्रों की स्थापना

*100. श्री नित्यानन्द राय:

डॉ. वीरेन्द्र कुमार:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का विचार देश में और अधिक इस्पात संयंत्र स्थापित करने का है;

(ख) यदि हां, तो स्थान-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा नए संयंत्र कब तक चालू किए जाने की संभावना है;

(ग) सरकारी क्षेत्र के इस्पात उपक्रमों (पीएसयू) के एककों तथा निर्माणाधीन नए संयंत्रों का स्थान-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस्पात पीएसयू की मौजूदा उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्त र

इस्पात और खान मंत्री **श्री नरेन्द्र सिंह तोमर**

(क) से (घ) : एक विवरण लोक सभा के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"नए इस्पात संयंत्रों की स्थापना" के बारे में श्री नित्यानन्द राय और डॉ. वीरेन्द्र कुमार, संसद सदस्यों द्वारा लोक सभा में दिनांक 02 मार्च, 2015 के लिए पूछे गए तारांकित प्रश्न संख्या *100 के भाग (क) से (घ) के उत्तपर में उल्लिखित विवरण

(क) और (ख): इस्पात नियंत्रण मुक्त क्षेत्र है। सरकार की भूमिका सुविधादाता की होती है। इस प्रकार, देश में इस्पात संयंत्रों की स्थापना करने के लिए इस्पात मंत्रालय से किसी लाइसेंस/अनुमति की आवश्यकता नहीं होती है। परियोजनागत निवेशों और कार्यान्वयन से संबंधित निर्णय संबंधित निवेशकर्ताओं द्वारा बाजार की गतिशीलता और परियोजनाओं की प्रौद्योगिकी- आर्थिकी व्यउवहार्यता को ध्यान में रखकर लिये जाते हैं।

(ग): वर्तमान में इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में इस्पात क्षेत्र का निर्माण करने वाले सार्वजनिक क्षेत्र के दो उपक्रम नामश: स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) हैं। सेल के आठ इस्पात संयंत्र हैं और उनकी स्थापना के स्थानों का राज्यवार ब्यौरा निम्नवत है:-

संयंत्र	राज्य
भिलाई स्टील प्लांट	छत्तीसगढ़
दुर्गापुर स्टील प्लांट	पश्चिम बंगाल
इस्कोस्टील प्लांट	पश्चिम बंगाल
अलॉय स्टील प्लांट	पश्चिम बंगाल
राउरकेला स्टील प्लांट	ओडिशा
बोकारो स्टील प्लांट	झारखंड
सेलम स्टील प्लांट	तमिलनाडु
विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट	कर्नाटक

आरआईएनएल आंध्र प्रदेश के विशाखापतनम में एक स्टील प्लांट का परिचालन कर रहा है।

इसके अतिरिक्त, एनएमडीसी लिमिटेड, जो कि सार्वजनिक क्षेत्र का एक उपक्रम है, नागरनार, जिला बस्तर, छत्तीसगढ़ में 3 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) क्षमता के एक ग्रीन फील्ड इंटीग्रेटिड स्टील प्लांट का निर्माण कर रहा है। यह परियोजना निर्माणाधीन अवस्थाए में है।

(घ): सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) नामश: स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) और एनएमडीसी लिमिटेड अपने संबंधित ब्राउन फील्डफ/ग्रीन फील्डत स्थागनों में क्रूड/फिनिश्डल स्टी क्षमताओं में महत्वनपूर्ण विस्तार कर रहे हैं। सेल और आरआईएनएल आधुनिकीकरण और विस्ता र की योजना कार्यान्वित कर रहे हैं, जिसका उद्देश्ये वर्ष 2016-2017 तक उनकी हॉट मेटल क्षमता क्रमश: 23.1 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) और 7.3 एमटीपीए तक बढ़ाना है।

*****